वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 11 | मंगलवार 6 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विश्वभर में प्रवासी राजस्थानियों ने प्रदेश को किया गौरवान्वित

"आपणो अग्रणी राजस्थान" की संकल्प सिद्धि में प्रवासी राजस्थानी निभाएं अपनी भूमिका, अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि ''आपणो अग्रणी राजस्थान'' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें। शर्मा सोमवार को गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया, इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं।

"कर्मभूमि से मातृभूमि" अभियान में प्रवासियों का मिल रहा भरपूर सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का

निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

गुजरात तथा राजस्थान एक सिक्के के दो पहलू

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि गुजरात तथा राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को आधार मानकर राज्य सरकार गरीब, युवा के कल्याण सुनिश्चित कर रही है।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं तथा हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

सर्व समाज का सामूहिक विवाह: जयपुर में 54 जोड़ों का एक साथ पाणिग्रहण, 10 अंतजार्तीय विवाह भी शामिल

जयपुर. कासं। जयपुर में सेवा भारती समिति ने जानकी नवमी पर सोमवार को एक अनूठा सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया। अम्बाबाड़ी स्थित उच्च माध्यमिक बालिका आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित इस चतुर्दशम सर्वजातीय सामूहिक विवाह में सोलह समाजों के 54 जोड़ों ने एक दूसरे को जीवनसाथी चुना। इस विवाह सम्मेलन में 10 अंतजार्तीय विवाह भी सम्पन्न हुए। एक वधू, जिसके माता-पिता नहीं थे, उसके विवाह का पूरा दायित्व सेवा भारती ने उठाया। पंडितों ने वैदिक रीति-रिवाज से सभी जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार कराया। विवाह समारोह की शुरूआत विद्याधर महादेव मंदिर से बारात के प्रस्थान से हुई। सभी दूल्हे अलग-अलग घोडियों पर सवार होकर विवाह स्थल पहुंचे। सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण पेश करते हुए सालासर बालाजी मंदिर के पुजारी, गायत्री चेतना केंद्र के संत और अन्य धर्मगुरुओं ने दलित दूल्हों के पैर धोए। सेवा भारती की महिलाओं ने एक समान वेशभूषा में सभी रस्में संपन्न कराईं। नवविवाहित जोड़ों को समिति की ओर से सोने-चांदी के आभूषण, घरेलू सामान जैसे अलमारी, पंखा, सिलाई मशीन, बर्तन और कपड़े समेत

लगभग दो दर्जन वस्तुएं उपहार स्वरूप दी गईं। साथ ही सीतारामजी की तस्वीर, तुलसी का पौधा और धार्मिक पुस्तकें भी भेंट की गईं।

टेक्नीक डाटा के जरिए रिसर्च में मिलेगी सहायता, बिब्लियोमेट्रिक्स विश्लेषण के उद्देश्य बताए गए

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग व राजस्थान सांख्यिकी एसोसिएशन द्वारा 5 से 7 मई तक रिसेंट रिसर्च एंड सांख्यिकी विषय पर द्वितीय नेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा हैं। इस से पहले वर्कशॉप फिजिकल एजुकेशन विभाग में आयोजित की गई थी। वर्कशॉप में ऑनलाइन व ऑफलाइन 150 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे है। नई शिक्षा नीति के साथ वर्कशॉप से विद्यार्थियों में बाइबलोमेट्रिक एनालाइज व साइंस टेक्नीक,वेब ऑफ साइंस, डाटा के जरिए रिसर्च, पब्लिकेशन ट्रेंड के बारे में बताया गया है। राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर श्रीराम विभागाध्यक्ष लाइब्रेरी व इन्फॉर्मेशन साइंस सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा व आरयू के साइंस विभाग के डीन डॉ. मंगेज सिंह,विभागाध्यक्ष प्रो.अनिल भारद्वाज,ऑर्गेनाइजर कमेटी से कोझकन्वीनर डॉ.प्रीति शर्मा,डॉ.रागिनी राणावत,डॉ.अजीत सिंह समेत कई प्रोफेसर व शोधार्थी विद्यार्थी मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा में कई विश्वविद्यालय में इसे आगे लाने की जरूरत

नई शिक्षा नीति में डेटा साइंस को बढ़ावा देने के लिए कई प्रावधान है उसी को लेकर विवि में विद्यार्थियों ओर शोधार्थियों को कोडिंग, अक् रोबोटिक्स और डेटा साइंस जैसे विषयों का प्रशिक्षण देना चाहिए। इस तकनीकी व डिजिटल शिक्षा की समझ बढ़ेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। बहु-विषयक शिक्षा पर छात्रों को कला, मानविकी, भाषा, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, पेशेवर, तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों सहित विविध धाराओं के बारे में पता चलेगा।

मड़ावरा के ब्र. राकेश भैया की इंदौर में होगी भव्य दीक्षा

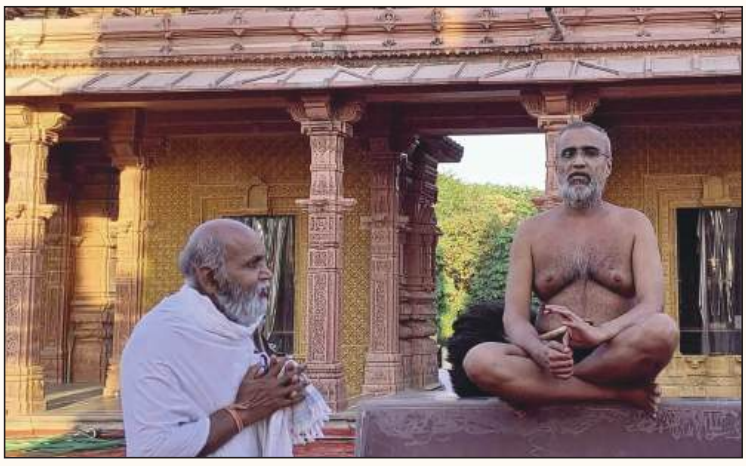

ललितपुर. शाबाश इंडिया

मड़ावरा निवासी ब्र. राकेश जैन चौधरी की भव्य(क्षुल्लक दीक्षा 8 मई 2025 को पट्टाचार्य 108 विशुद्धसागर जी महाराज के निर्देशन में इंदौर में होगी। विशाल संघ के सान्निध्य में प्रथमबार श्रमणरत्न सुप्रभसागर जी महाराज इंदौर में भव्य दीक्षा देंगे। इस मौके पर अनेक आचार्य एवं विशाल संघ का सान्निध्य रहेगा। उत्कर्ष समूह भारत (मुनि श्री सुप्रभसागर जी की प्रेरणा से स्थापित) के निर्देशक डॉ. सुनील संचय ने बताया कि राकेश चाचा श्रमणाचार्य 108 विशुद्धसागर जी महाराज की आज्ञा एवं निर्देशन से 2019 से मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज संघ में साधनारत हैं। अब दीक्षा होने जा रही है जिससे मड़ावरा जैन समाज में भारी हर्ष है, नगर से एक ओर गौरव जुड़ने जा रहा है। मड़ावरा में उनकी बिनौली यात्रा और गोद भराई का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ब्र. राकेश भैया इंदौर से मड़ावरा पहुँच गए हैं। 8 मई को मड़ावरा से दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने इंदौर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और परिजन पहुंचेंगे। ब्र. राकेश जैन जो चाचा के नाम से प्रसिद्ध हैं शुरू से धार्मिक और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हुए निरंतर व्रत और उपवास में संलग्न रहते थे।

श्रद्धा से पाषाण में भी परमात्मा नजर आते हैं : आर्यिका स्वास्तिभूषण माताजी

केकड़ी. शाबाश इंडिया। जब भक्ति की लहर आत्मा में उमड़ती है तो सब कुछ भूल जाते हैं बाह्य प्रक्रिया उसे बिल्कुल भी नजर नहीं आती है श्रद्धा से पाषाण में भी परमात्मा नजर आते हैं श्री कल्पतरु महामंडल विधान तीर्थंकर महावीर के अद्वितीय महिमा मंडल मंगल अर्घ्यों द्वारा पवित्र पूजा करने का एक मात्र उपाय है। बोहरा कॉलोनी स्थित शिवम वाटिका में आचार्य श्री इंद्रनंदी जी महाराज ससंघ एवं आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी के सानिध्य एवं विधानाचार्य कपिल भैया के निर्देशन में मय संगीत एवं साज बाज के साथ चल रहे कल्पद्रुम महामंडल विधान के अंतर्गत विधान में चौबीस तीर्थकरों की स्तुति करने पर ऐसा लगता है की संपूर्ण जैन दर्शन की आत्मा का सुख अनुभव हो रहा है इस अवसर पर आर्यिका माताजी ने कहा कि एक-एक नाम के मंत्र का जाप करने से कर्मों के बंधन ढीले पड़ते हैं । प्रातः जिनाभिषेक एवं शांति धारा एवं समवशरण में विराजित चतुर्दिशा में विराजमान श्री जी का मुनि आर्यिका ससंघ के सानिध्य में संपन्न किए गए। मीडिया प्रभारी रमेश बंसल ने बताया कि कल्पतरु महामंडल विधान के 800 अर्घ्य श्रीफल सहित श्री जी के समर्पित किए गए । समाज के अमरचंद चैरूका ने बताया कि मंगलवार को प्रातःआचार्य मुनि आर्यिका ससंघ के सानिध्य में कल्पतरु महामंडल विधान का समापन पूणार्हुति एवं विश्व शांति कामना महायज्ञ संपन्न होगा । शाम को आरती भक्ति आनंद यात्रा सहित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम संपन्न हुई । कार्यक्रम का संचालन कपिल भैया द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी रमेश बंसल पारस जैन से प्राप्त जानकारी।

-संकलन अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी 9929747312

श्री हनुमान पुस्तकालय में हास्य दिवस

हावड़ा. शाबाश इंडिया। पश्चिम बंगाल की स्वनामधन्य संस्था 'सलकिया हिन्दी साहित्य गोष्ठी 'के बैनर तले विश्व हास्य दिवस का पालन किया गया। स्वागत वक्तव्य में कार्यक्रम के संयोजक डॉ मनोज मिश्र ने कहा कि इस संस्था को पचहत्तर वर्ष हो गए और आज भी अनवरत कार्यक्रम होता आ रहा है आप सबके सहयोग और सक्रियता से सम्भव हो पा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि इसी तरह आपलोग आते रहेंगे तो निश्चित संस्था को जीवित रखा जा सकता है। समारोह के अध्यक्ष व हास्य-व्यंग्य के धुरंधर कलमकार जय कुमार 'रूसवा 'ने बताया कि विश्व हास्य दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो हंसी और इसके अनेक उपचारात्मक लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरे संसार में मनाया जाता है। उन्होंने एक रचना पेश की-शादी में तो सूट रेडियों

साइकिल घड़ी मिली, तोहफों में भी रंग-बिरंगी चीजें बड़ी मिली। सात फेरों ने ऐसा फेरे में डाला मुझको, जुट खोपड़ी बीवी घर की खटिया खड़ी मिली। सुनाकर खूब तालियां मिली। इस हास्य दिवस के अवसर पर जाने-माने गजलकार नन्दलाल सेठ 'रौशन ',रणजीत भारती, कमल पुरोहित 'अपरिचित ',डॉ राजन शर्मा, ओमप्रकाश चौबे, मोहम्मद अय्यूब, नजीर राही, भारती मिश्र, रामाकांत सिन्हा 'सुजीत ',संचिता सक्सेना, अवधेश मिश्र 'सबरंग ',रामनारायण झा 'देहाती 'ने हास्य की कविताएँ सुनाकर इस महत्वपूर्ण दिवस को सार्थक कर दिये। कार्यक्रम का आगाज वरिष्ठ कवयित्री उषा जैन ने सरस्वती वंदना से की। मंचासीन मुख्य अतिथि राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी ',विशिष्ट अतिथि दया शंकर मिश्र ने गरिमा बढायी। काव्य गोष्ठी का प्रभावशाली संचालन प्रदीप कुमार धानुक व धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजन शर्मा ने किया।

सुमतिधाम में चावल पर सूक्ष्म लेखन की अद्भुत कृति 'कलश' का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य महोत्सव के अवसर पर सुमति धाम इंदौर स्थित सभा मंडप में चावल के दानों पर जयपुर की निरु छाबड़ा के सूक्ष्म लेखन द्वारा निर्मित अनोखी कृति ''कलश'' का भव्य विमोचन हुआ। इस कृति में चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरू छाबड़ा ने परम पूज्य राष्ट्रसंत गणाचार्य 108 विराग सागर गुरुदेव के अंतिम उपदेश को 481 चावलों पर अंकित किया है। इस उत्कृष्ट कृति का विमोचन परम पूज्य आचार्य 108 विशुद्ध सागर महाराज के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलाकार निरू छाबड़ा, प्रदीप छाबड़ा , प्रतीक गंगवाल, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मुनि 108 समत्व सागर ने आचार्य श्री को कृति में लिखे गए उपदेशों की जानकारी दी, जिसे सुनकर आचार्य श्री ने कलाकार निरू छाबड़ा को आशीर्वाद प्रदान किया। संघ के समस्त मुनियों ने भी इस अद्भुत कृति का अवलोकन किया और सराहना की।

चंबल अंचल के परमहंस संत श्री माखनदास महाराज का देवलोकगमन, अंचल में शोक की लहर

अम्बाह. शाबाश इंडिया

चंबल अंचल की आध्यात्मिक चेतना के केंद्र, परमहंस संत श्री माखनदास महाराज ने सोमवार को देह त्याग कर देवलोक गमन किया। वे लगभग 65 वर्ष के थे और कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। जयपुर में उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। जैसे ही उनके देवलोक गमन की खबर फैली, चंबल अंचल में शोक की लहर दौड़ गई। और हजारों श्रद्धालु मनीराम का पुरा के लिए रवाना हो गए राजस्थान के धौलपुर जिले के समोरशाला मनीराम का पुरा गांव में जन्मे संत श्री ने चंबल के अम्बाह तहसील स्थित किसरोली गांव में वर्षों तक कठिन तपस्या की और एक तेजस्वी संत के रूप में पहचाने गए। वे सनातन धर्म की महिमा को पुनर्स्थापित करने वाले युगद्रष्टा थे।श्रद्धालुओं के अनुसार, संत श्री माखनदास महाराज के अनेक चमत्कार जनमानस में प्रचलित हैं। इनमें सबसे प्रसिद्ध यह है कि वे चंबल नदी को पैदल ही पार कर राजस्थान की तरफ जाया करते थे। इतना ही नहीं, कहा जाता है कि वे मगरमच्छ जैसे जलीय जंतुओं के पास से गुजर जाया करते थे। उनकी साधना स्थली किसरोली में पिछले 25 वर्षों से अखंड रामायण पाठ जारी है, जो उनके तप और आस्था की जीवंत मिसाल है। संत श्री ने चंबल अंचल में धार्मिक चेतना का अलख जगाया था, उन्होंने भगवान सिद्ध बाबा मंदिर, 31 फुट ऊँची हनुमान प्रतिमा, गौ माता मंदिर एवं बंसी वाला आश्रम, वृंदावन सहित कई तीर्थस्थलों व आश्रम की स्थापना की। उनके प्रयासों से किसरोली, सबसुख का पुरा का दतया,मान्य और मनीराम का पुरा धार्मिक ऊर्जा के केंद्र बने। उनके शिष्य श्री निवास शर्मा मंटो के अनुसार उन्होंने जीवन भर राम नाम का प्रचार किया और समाज को नशा मुक्त, सद्भावनापूर्ण जीवन की राह पर चलने का उपदेश दिया। 'हर घर सीताराम' के मंत्र के साथ वे जन-जन में धर्म की ज्योति जगा कर गए है पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश जैन ने कहा है कि संत श्री के देवलोकगमन से चंबल अंचल को जो क्षति हुई है, उसकी पूर्ति असंभव है। उन्होंने न केवल चमत्कार किए, बल्कि धर्म, सेवा, साधना और समाज सुधार का मार्ग भी दिखाया।

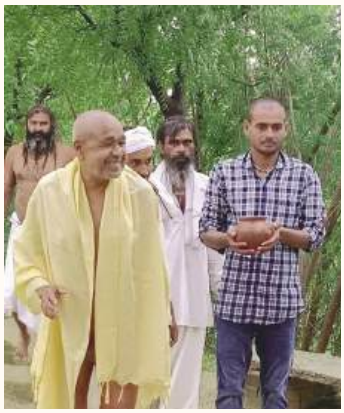

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर निकली भव्य स्वर्ण रथ शोभा यात्रा के निर्णय घोषित किए

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज, सामाजिक संसद द्वारा महावीर जन्म कल्याणक पर आयोजित भव्य स्वर्ण रथ शोभा यात्रा समारोह के निर्णय, निर्णायक मंडल द्वारा घोषित किए गए। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष श्री राजकुमार पाटोदी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि इस शोभा यात्रा में शहर के विभिन्न जैन मंदिरों, जैन सोशल ग्रुपों और सामाजिक संगठनों ने भगवान महावीर के शाश्वत संदेशों को जीवंत करते हुए आकर्षक झांकियां निकाली। ओम विहार कॉलोनी द्वारा भगवान महावीर के 10 भवों को दर्शाया गया। और भगवान महावीर की दिव्य ध्वनी के माध्यम से जियो और जीने दो के महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। खरौआ समाज द्वारा प्रस्तुत झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही ।जिसमें माता त्रिशला के 16 स्वप्न, भगवान महावीर का जन्म कल्याणक, आहार विधि, समवशरण की रचना और दिव्य ध्वनी को मनोरम ढंग से प्रदर्शित किया गया। परवार समाज द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी की आहार चर्या के दृश्य को दशार्या गया था। इसके साथ ही मनावर से बुलाए गए आदिवासी महिला और पुरुषों के द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे मनमोहक लोक नृत्य को भी सभी ने बड़े चाव से देखा। दिगंबर जैन नरसिंगपुरा समाज, लाल मंदिर ने माता त्रिशला द्वारा भगवान महावीर को जन्म देते हुए एक शानदार दृश्य प्रस्तुत किया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। अन्य समूहों ने भी भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अस्तेय,ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया। वहीं बघेरवाल समाज इंदौर ने आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के पट्टाचार्य पदवी से अलंकृत किए जाने वाले महाकुंभ की दिव्य झलक झांकी के माध्यम से प्रस्तुत की। जैन स्टडी ग्रुप ने बड़ी शालीनता और शांति के साथ भगवान महावीर के उपदेशों को प्रदर्शित किया।

वेद ज्ञान

प्रेम प्रवाह

प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे परमार्थ के महानद में मिलने दें। यदि प्रेम नदी न हो तो जीवन को शुष्क मरुस्थल बनते देर नहीं लगती। प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे परमार्थ के महानद में मिलने दें। यदि प्रेम नदी न हो तो जीवन को शुष्क मरुस्थल बनते देर नहीं लगती। स्वार्थ के संपुट में बंद प्रेम महज प्रेमाभास है। प्रेम ऊपर चढ़े तो भक्ति है और नीचे गिरे तो आसक्ति। प्रेम रागात्मक है, वासनात्मक नहीं। हमारा सारा प्रेम शुभ के लिए होना चाहिए। हम व्यक्ति से प्रेम नहीं करते, उसमें निहित आदर्श से प्रेम करते हैं। पति या पत्नी शरीर से प्रेम नहीं करते, उसमें निहित आत्मा से प्रेम करते हैं। परमात्मा को धर्मालयों में बंद न करें। उसे सर्वत्र प्रेम के रूप में खिलने दें। बंद फूल मुरझा जाता है। उसे उपवन की खुली हवा में खिलखिलाने दें। यदि आप जीवन में ऊंचाई को नापना चाहते हैं तो उपवन में खिले फूलों को देखें, जो खिलता है दूसरों को सुख देने के लिए और स्वयं मुरझाने के लिए। फूल कंटीली झाड़ी में भी मुस्कराता रहता है। क्या आप ऐसा कर सकते हैं? साधु की साधुता में ही प्रेम को मत देखें, बल्कि दुष्ट की दुष्टता में भी प्रेम को निहारने की साधना करें। जब तक बंदा और खुदा के बीच खुदी का पर्दा है, तब तक खुदा का दीदार नहीं। प्रेम निश्छल होना चाहिए। वह चाहे सांसारिक प्रेम हो या परमार्थिक प्रेम। प्रेम में प्रतिदान की तनिक भी गुंजाइश नहीं है। प्रेम के आगे मुक्ति भी निरादृत है। प्रेम-प्रेम के लिए होना चाहिए। यह भाव भी नहीं होना चाहिए कि वह प्रेम कर रहा है। प्रेम में केवल देना ही देना है, लेना कुछ भी नहीं। प्रेम को तिजारत न बनने दें। प्रार्थना का असली मंतव्य परमात्मा से किसी प्रकार की याचना नहीं है। अहंकार वह बाधक तत्व है, जो दैवी प्रेम को मनुष्य के भीतर उतरने ही नहीं देता। परमात्मा प्रेम है। उसे निश्छल प्रेम ही चाहिए। सूर्य प्रेमवश जीवनदायिनी किरणें विसर्जित करता है। मेघ भेद-भाव के बगैर सभी के खेतों में बरसता है। नदी प्यास मिटाने के लिए निरंतर बहती है। वृक्ष, फल लुटाने के लिए झुक जाते हैं। हवा जीवन देने के लिए बहती ही रहती है। इस प्रेम के बदले वे हमसे कुछ नहीं चाहते, परंतु हम लोग भ्रांत सुख की खोज में निर्ममता से इन सब का दोहन करते रहते हैं। इस संकट से बचने के लिए हमें अपने को सब के साथ प्रेम के बंधन में बंधकर चलना होगा, अन्यथा हमारा ही अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

संपादकीय

महंगी दवाईयों का गंदा खेल

ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जिनमें कमजोर या गरीब तबकों के लोग सिर्फ इसलिए किसी गंभीर बीमारी का इलाज ठीक से नहीं करा पाते, क्योंकि उसके इलाज का खर्च वहन करना उनकी क्षमता से बाहर होता है। इलाज में सबसे अहम खर्च दवाओं पर होता है, जिनकी कीमतें कई बार सबकी पहुंच में नहीं होतीं। समूची स्वास्थ्य सेवा के संदर्भ में समय के साथ यह एक बड़ी समस्या बनती गई है। दवाओं की बेलगाम कीमतों को

लेकर कई तरह के सवाल उठाए जाते हैं। सरकार ने इस मुश्किल से पार पाने के लिए वैकल्पिक उपाय के तौर पर मरीजों के लिए जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने की कोशिशें की हैं, लेकिन अब भी इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं दिखती। दवाओं की कीमतों और कंपनियों की अनैतिक विपणन के चलन पर काबू पाने से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान गत शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चिकित्सक अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों और चिकित्सकों के बीच रिश्वतखोरी से उपजी इस समस्या को रोका जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि दवा कंपनियों के दबाव में डाक्टर मरीजों को आमतौर पर महंगी दवाएं लिखते हैं। जबकि उन्हीं रासायनिक मिश्रण से बनी और समान असर वाली उपयोगी जेनेरिक दवाओं की कीमत काफी कम हो सकती है। दरअसल, मरीजों को जरूरत से ज्यादा दवाएं लिखने के एवज में दवा कंपनियां चिकित्सकों को कई तरह की सुविधाएं मुहैया कराती रही हैं, उन्हें प्रकारांतर से रिश्वत भी देती हैं। इस तरह डाक्टरों पर यह दबाव बनता है कि वे मरीजों को किसी खास ब्रांड या कंपनी की ही दवा लेने की सलाह दें। चिकित्सा क्षेत्र में पलते इस भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए सरकारें अक्सर कुछ कदम उठाने की घोषणा करती हैं, लेकिन व्यवहार में अब तक इसका कोई ठोस असर सामने नहीं आया है। अनुचित तौर-तरीके अपना कर चिकित्सकों के जरिए दवा कंपनियां जिस तरह बेलगाम मुनाफाखोरी करती हैं, उसका खमियाजा आम लोगों को ही भुगतना पड़ता है। जरूरत इस बात की है कि सरकार समान गुणवत्ता और असर वाली जेनेरिक दवाओं की आसान उपलब्धता और इसके प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सुचिंतित कदम उठाए।

परिदृश्य

जाति गणना और आरक्षण

जातिगत जनगणना की घोषणा के बाद ऐसे निष्कर्ष निकाले जाने पर हैरानी नहीं कि इस जनगणना के आंकड़े आ जाने के उपरांत आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को बढ़ाने के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग की कुछ समर्थ जातियों को ओबीसी के दायरे से बाहर किया जा सकता है। भविष्य में जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को तोड़ने की मांग पहले से ही हो रही है। इसी तरह यह भी एक सच्चाई है कि ओबीसी की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से सक्षम कुछ जातियों ने आरक्षण का अधिक लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने पिछले लगभग चार दशकों में आर्थिक प्रगति से हुए बदलावों का लाभ उठाकर स्वयं को उन्नत किया है। पिछड़े वर्ग की कुछ सक्षम जातियां आरक्षण का अधिकतम लाभ उठाने में इसलिए समर्थ रहीं, क्योंकि वर्तमान आरक्षण नीति इस पर केंद्रित नहीं है कि सर्वाधिक लाभ वास्तविक रूप से सबसे पिछड़ी जातियों को मिले। इसके अतिरिक्त इस तथ्य को भी ओझल नहीं किया जा सकता कि सामाजिक न्याय की बात करने वाले कुछ क्षेत्रीय दलों के नेता जब सत्ता में आए तो उन्होंने समस्त पिछड़े वर्ग के स्थान पर जाति विशेष के लोगों के उत्थान पर अधिक ध्यान दिया। स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना कराए जाने के साथ ही आरक्षण नीति की विसंगतियों को दूर करने की भी आवश्यकता है। एससी- एसटी, ओबीसी एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के आरक्षण के जरिये यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है कि उसका लाभ पात्र लोगों को ही मिले। ऐसा करके ही सामाजिक न्याय के उद्देश्य को प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही ऐसे भी कुछ उपाय करने होंगे, जिससे आरक्षण और साथ ही देश की आर्थिक प्रगति से लाभान्वित होकर खुद को हर तरह से समर्थ बना चुके लोगों को आरक्षण सूची से बाहर किया जाए। जातिगत जनगणना के वास्तविक आंकड़े मिल जाने पर ऐसा करना कहीं अधिक आसान होगा, लेकिन तभी जब आरक्षण को वोट बैंक की राजनीति का हथियार बनाने से बचा जाएगा। आरक्षण नीति में विसंगतियां इसलिए हैं, क्योंकि अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल जातियों के सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने का कोई ठोस आंकड़ा नहीं है। क्या यह विचित्र नहीं कि उन आंकड़ों से काम चलाया जा रहा है जो 1931 अर्थात अविभाजित भारत की जातिगत जनगणना से मिले थे। किसी भी नीति को सही तरह से क्रियान्वित करने के लिए ठोस आंकड़े उपलब्ध होना पहली आवश्यकता होती है। निःसंदेह इस आवश्यकता की पूर्ति जातिगत जनगणना करेगी, लेकिन इसके साथ ही इस आशंका को दूर किया जाना चाहिए कि जातिगत जनगणना की आड़ में जातीय विभाजन को बढ़ाने वाली राजनीति को नए सिरे से बल मिल सकता है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जातिवाद की राजनीति करके सामाजिक न्याय के उद्देश्य की पूर्ति कभी भी नहीं की जा सकती।

मां की पुण्यतिथि पर ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा ने गर्मी से बचाव के लिए वितरण की चप्पल

बूंदी. शाबाश इंडिया। सामान्य चिकित्सालय बूंदी के ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर ने 5 मई 2025 को मां कल्याणी बाई की पुण्यतिथि पर बूंदी शहर में घूम कर गर्मी के मौसम में चल रहे नंगे पैर व जरूरतमंद लोगों को गर्मी से राहत के लिए चप्पल वितरण की। कोरोना महामारी में 5 मई 2021 को सामान्य चिकित्सालय बूंदी के मेडिकल वार्ड में कल्याणी बाई ने अंतिम सांस लेकर दम तोड़ दिया था आज 5 मई 2025 को मां की याद में रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर ने गर्मी से बचाव के लिए जो भी व्यक्ति नंगे पैर व जरूरतमंद लोग दिखाई दिये उनको गर्मी से राहत के लिए चप्पल पहनाई। रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर ने बूंदी शहर के लंकागेट रोड, खोजगेट रोड, बाईपास रोड, बालचंद पाड़ा, कागजी देवरा, चौथ माता रोड, देवपुरा, तहसील रोड, बिबनवा रोड, नैनवा रोड , छत्रपुरा रोड, मीरागेट रोड, आदिवासी छात्रावास के बच्चों व आदि क्षेत्रों में घुम कर जरूरतमंद लोगो को चप्पल वितरण की।

पक्षियों के लिए 251 परिंडे बांटे

जयपुर. शाबाश इंडिया

गर्मी के मौसम को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच, जयपुर कैपिटल ने सोमवार को बेजुबान पक्षियों के लिए जलपात्र (परिंडे) वितरित किए गए। इस अवसर पर मंच ने कुल 251 परिंडे निशुल्क वितरित किए गए। मंच के अध्यक्ष विशेष ने बताया कि यह सेवा कार्य पक्षियों की प्यास बुझाने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि मंच सदैव सामाजिक एवं पर्यावरणीय सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाता आया है। इस मौके पर मंच के पूर्व अध्यक्ष मनीष खंडेलवाल,निखिल तथा संस्था के सदस्य अंकित अभिषेक एवं शरद की विशेष उपस्थिति रही। मारवाड़ी युवा मंच ने आमजन से भी अपील की कि वे अपने घरों एवं आस-पास के क्षेत्रों में पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था करें, जिससे इस भीषण गर्मी में बेजुबान जीवों को राहत मिल सके।

आतंकवाद-विरोधी अंतर्राष्ट्रीय कवि-सम्मेलन आयोजित

मिटा देंगे तुम्हें दुश्मन, न सोचेंगे पड़ोसी हो,
हमेशा माफ करने की हिमाकत हम नहीं करते।

नारनौल. शाबाश इंडिया। मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा एक वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय कवि-सम्मेलन का आयोजन आज किया गया, जिसमें भारत, नेपाल, आस्ट्रेलिया, कतर, स्वीडन, नीदरलैंड और अमेरिका सहित सात देशों के सत्रह कवियों ने, पहलगाम-घटना के संदर्भ में, अपनी आतंकवाद-विरोधी भावनाओं को मुखर अभिव्यक्ति प्रदान की। डॉ. सुनील भारद्वाज द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-गीत के उपरांत डॉ. पंकज गौड़ के कुशल संचालन तथा चीफ ट्रस्टी डॉ. रामनिवास 'मानव' के प्रेरक सान्निध्य में संपन्न हुए, विश्व के इस प्रथम आतंकवाद-विरोधी कवि-सम्मेलन की अध्यक्षता आईबी के पूर्व सहायक निदेशक तथा पटियाला (पंजाब) के प्रख्यात कवि नरेश नाज ने की तथा गृहमंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के उपनिदेशक डॉ. रघुवीर शर्मा मुख्य अतिथि थे, वहीं त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू (नेपाल) में हिंदी-विभाग की अध्यक्ष डॉ. श्वेता दीप्ति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अपने संबोधन में डॉ. रघुवीर शर्मा ने, पहलगाम नर-संहार की कड़ी निंदा करते हुए, उसे संपूर्ण मानवता पर हमला बताया। डॉ. श्वेता दीप्ति ने आतंकियों से प्रश्न किया कि पता नहीं कौन-सा वह तुम्हारा खुदा है, जो निर्दोषों का खून बहने पर खुश होता है? नरेश नाज ने अपने दोहों में धार्मिक सद्भाव और आतंकवाद के समूल विनाश की बात कही। दोहा (कतर) के प्रमुख गजलकार डॉ. बैजनाथ शर्मा ने, आतंकवादियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए, कहा कि मिटा देंगे तुम्हें दुश्मन, न सोचेंगे पड़ोसी हो। हमेशा माफ करने की हिमाकत हम नहीं करते। आसन (नीदरलैंड) की वरिष्ठ कवयित्री डॉ. ऋतु शर्मा ने हम मानवता के पुजारी हैं, पर प्रतिकार के भी अधिकारी हैं। कहकर अपनी सांस्कृतिक दृढ़ता का परिचय दिया, वहीं

गुरुग्राम के चर्चित कवि राजपाल यादव ने आओ अब हुंकार भरें, गद्दारों पर वार करें। शब्दों द्वारा पहलगाम के हत्यारों के संहार का आान किया। भिवानी के ओजस्वी कवि डॉ. रमाकांत शर्मा ने, पहलगाम-घटना के बाद सारे समीकरण बदलने की बात स्पष्ट करते हुए, पूछा कि अब है ऐसी क्या मजबूरी दुश्मन को हम गले लगाएँ? डॉ. रामनिवास 'मानव' ने, पहलगाम-घटना के पीछे के षड्यंत्र को उजागर करते हुए, स्पष्ट किया कि किसी और की आग है, किसी और का तेल। किसी और की झोपड़ी, किसी और का खेल।। हिसार के युवा कवि और चर्चित स्तंभकार डॉ. सत्यवान सौरभ ने कविता कैसे लिखूँ मैं, जब पहलगाम की वादियों में गूँजता हो मातम? कहकर अपने मन की पीड़ा और विवशता को रेखांकित किया। कवि-सम्मेलन में सिडनी (आस्ट्रेलिया) की डॉ. भावना कुँअर, वर्जीनिया (अमेरिका) की मंजू श्रीवास्तव, स्टॉकहोम (स्वीडन) के सुरेश पांडे तथा भारत से मैसूर (कर्नाटक) की डॉ. कृष्णा मणिश्री, धनबाद (झारखंड) की डॉ. ममता झा 'रुद्रांशी', भदौही (उत्तर प्रदेश) की प्रतिमा शर्मा 'पुष्प', डीग (राजस्थान) के सोहनलाल 'प्रेमी' और रेवाड़ी (हरियाणा) के प्रो. मुकुट अग्रवाल ने भी, अपने आतंक-विरोधी स्वरों को मुखरित करते हुए, पहलगाम के शहीदों को काव्यांजलि अर्पित की। लगभग दो घंटों तक चले इस महत्त्वपूर्ण कवि-सम्मेलन में वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) से ट्रस्टी डॉ. कांता भारती, डॉ. एस अनुकृति और प्रो. सिद्धार्थ रामलिंगम, सिंडनी (आस्ट्रेलिया) से प्रगीत कुंअर, नई दिल्ली से सुनीलकुमार सोबती, बैंगलोर (कर्नाटक) से पीयूष शर्मा, राजस्थान के रतनगढ़ से डॉ. यशवीर दहिया और अलवर से नरपत सिंह और अनीता सिंह, हरियाणा के हिसार से आरजू शर्मा तथा नारनौल से डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, डॉ. शर्मिला यादव, कृष्णकुमार शर्मा, एडवोकेट, संजय शर्मा, सुरेशचंद शर्मा, हिम्मत सिंह, सचिन अग्रवाल, अशोक सैनी, स्वतंत्र विपुल आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

हमारे पूजनीय पापा
श्री नवीन सेन जी जैन
06.05.2025
के जन्मदिवस पर उन्हें सादर श्रद्धांजलि !!!!
हमारी पूंजी हमारी ताकत हमारी पहचान हो आप,
हंसी के शहंशाह, उस पार भी खुश रहो आप।।
श्रद्धानवत: शशी सेन जैन (धर्मपत्नी),
डॉ सोनाली-अक्षय ठोलिया, श्वेता-राकेश छाबड़ा,
डॉ चारु-डॉ अमन बंसल (पुत्री दामाद)
सोनाक्ष, मानव, अमानी, सर्वज्ञ, शुभ,
अनिका (दोहिते दोहिती)

जयकारों के अद्भुत उद्घघोष से श्री जी विराजमान हुए नवनिर्मित वेदियों में

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुनिसुवृतनाथ दिगंबर जैन मंदिर मांग्यावास में चल रहे भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के कार्यक्रम में सभी जिन बिंबों को नवनिर्मित वेदीयो में विराजमान किया। मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन ने बताया की मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाश चंद जैन सोगानी, मंत्री दिनेश गंगवाल, प्रबंध समिति के समस्त पदाधिकारीगण, समस्त इंद्र- इंद्रानियो सहित पूरा मांग्यावास जैन समाज एवं समस्त श्रद्धालुओं ने पूरे विश्व में शांति के लिए प्रतिष्ठाचार्य विमल कुमार जैन बनेठा वालों के सानिध्य में हवन एवं महानुष्ठान किया तथा साथ ही अध्यक्ष प्रकाश चंद जैन सोगानी ने इस भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में जिन्होंने भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया एवं आये हुए अतिथियों का मंदिर प्रबंध समिति के द्वारा स्वागत सम्मान किया तत्पश्चात सभी लोग गाजे-बाजे से श्री जी को

पालकी में विराजमान करके मंदिर जी पहुंचे। मंदिर जी में सभी जिन बिंबो को प्रतिष्ठाचार्य जी के सानिध्य में वैदिक मंत्रों द्वारा नव निर्मित वेदीयो में विराजमान किया तो पूरा मंदिर जय - जय कारो के उद्घोष गुंजायमान हो गया। इससे पूर्व संध्या में संगीतकारों एवं कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए जिसमें सोधर्म इंद्र व अन्य इंद्रो के द्वारा तांडव नृत्य करना ,

तीर्थंकर बालक को बुआ के द्वारा लाड-प्यार करना एवं दुलारना और बालक का अपने मित्रों के साथ बाल क्रीड़ा करना बहुत ही मनमोहक दृश्य लग रहा था मानो ऐसा प्रतीत हो रहा था कि यह कोई वैदि प्रतिष्ठा ना होकर विशाल पंचकल्याण महोत्सव का कार्यक्रम चल रहा हो। रात्रि में देर तक भी पंडाल पूरा खचा-खच भरा हुआ था सभी समाज बंधु हर्षोल्लासित थे।

आचार्य चैत्य सागर जी के सानिध्य में 6 मई से प्रारंभ होगा वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में 6 मई से प्रारंभ होगा तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जाएगा इसी कड़ी में आज परम पूज्य आचार्य गुरुवर चैत्य सागर जी महाराज को श्रीफल भेंट कर समाज समिति के पदाधिकारीयो ने मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि दिनांक 6 मई 2025 को प्रात श्री जी के अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात विशाल घट यात्रा का आयोजन किया जाएगा ।घटयात्रा में समाज की सभी महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में कलश लेकर चलेंगी । नगर भ्रमण करते हुए मंदिर पहुंचेगी जहां पर वैदि शुद्धि की जाएगी। समाज समिति के प्रचार संयोजक विनेश सोगानी ने बताया कि श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में आयोजित वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रथम बेदी के पुण्यार्जक फूलचंद, संजय , उषा, जेनिश, अनुभा छाबड़ा परिवार द्वितीय वेदी के पुण्यार्जक डॉक्टर सुशीला, रुशील, अलंकृता, पूजा, हितेंद्र, लवलीना, पीयूष मालविका, असीम जैन टोंग्या परिवार होंगे कार्यक्रम का विधिवत्त शुभारंभ झंडा रोहण के माध्यम से करने का सौभाग्य मुख्य अतिथि राजेंद्र सुनीता निमित्त कासलीवाल को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विधान के मुख्य सोधर्म इंद्र

फूलचंद , संजय उषा छाबड़ा, यज्ञ नायक के रूप में पूरणमल ललिता देवी अनोपड़ा , कुबेर इंद्र के रूप में प्रेमचन्द दीपक शाह सम्मिलित होंगे। समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि 6 मई को आयोजित भजन संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में स्नेह लता जी रोशन, विजय वेद परिवार सम्मिलित होंगे। 7 मई 2025 को साय कालीन कार्यक्रमों में वर्धमान स्त्रोत पाठ का आयोजन किया जाएगा। जिसके पुण्यार्जक परिवार वीरेश नीता जैन टीटी परिवार एवं 8 मई 2025 को आयोजित भक्तामर महाअर्चना दीप माला के पुण्यार्जक परिवार मंजूलता अंशुल आयुषी मेघा रोनक मीरा छाबड़ा राजावास वाले होंगे समाज समिति के कोषाध्यक्ष कैलाश सेठी उपाध्यक्ष राजेंद्र सोनी ने बताया कि 7 मई 2025 को प्रातः अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात ध्यान केंद्र में विराजमान 24 तीर्थंकरों की प्रतिमाओं को एवं नंदीश्वर दीप की प्रतिमा को विशाल रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण करवाने के पश्चात नवीन वेदियों पर विराजमान किया जाएगा परम पूज्य आचार्य गुरुवर चैत्य सागर जी महाराज का मंगल प्रवेश श्याम नगर से वरुण पथ की पावन धरा पर 8:00 बजे होगा जिसमें आयोजित विशाल शोभायात्रा एवं भगवान को विराजमान करने का कार्यक्रम गुरुदेव के सानिध्य में संपन्न होगा जिसमें 24 इंद्र के रूप में सहमति प्रदान करने वाले एवं नंदीश्वर दीप की प्रतिमा को विराजमान करने वाले मंजू लता जी अंशुल छाबड़ा राजावास वाले,सुरेंद्र माया जैन, विवेक जैन आगरा ,सुरेंद्र सोनल नव जैन, अजीत शशांक जैन, प्रमोद भारती गंगवाल, मोतीलाल दिनेश पहाड़िया, राजेंद्र सुरेखा जैन, अनिला बड़जात्या,राजेंद्र निमित्त कासलीवाल, नवीन राजकुमार बाकलीवाल, अनिल अनीता भुसावर, मुकेश जैन खेडली, राजकुमार करुणा जैन, संजीव प्रीति जैन, भंवरी देवी काला सुनील गंगवाल, रविंद्र अखिलेश पांड्या ,रमेश मंजू चांदवाड़ ,सुधीर अंजलि बोहरा, विनोद सुमन छाबड़ा, सौभाग मल धन कुमार काला, राजेश संध्या जैन, अजीत अंजू जैन, पवन सीमा जैन, प्रदुमन अजमेरा मुख्य रूप से होंगे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज उत्तराखंड के बद्रीनाथ क्षेत्र में...

बद्रीनाथ. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज उत्तराखंड के बद्रीनाथ क्षेत्र में विराजमान हैं। आज उनके सानिध्य में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहां उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि अष्टापद बद्रीनाथ से आदिनाथ से महावीर तक के मोक्ष की चर्चा में गुरुदेव ने बताया अष्टापद के महत्व के बारे में आखिर? क्यों? कहते है अष्टापद बद्रीनाथ कोउभय मासोपवासी साधना महोदधि प.पू. अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज उपाध्याय श्री 108 पियूष सागर जी महाराज 05/मई/2025 आदिनाथ आध्यात्मिक फाउंडेशन अष्टापद बद्रीनाथ जिला चमोली उत्तराखंड प्रातः पूजन दीप आराधना हुई संपन्न पूजन के पश्चात 06 माह से बंद भगवान आदिनाथ एवं चौबीसी भगवान चरण के द्वारा गुरुदेव अंतर्मना ससंघ के परम मंगलमय सानिध्य में खुले द्वार तत्पश्चात चौबीस चरण एवं भगवान आदिनाथ का एक साथ मंगल अभिषेक शांतिधारा ध्वजा छात्र चढ़ाया! गुरुदेव अंतर्मना के मंगलमय आशीष से प्रस्तावित चल रहा अंतर्मना निलय (यात्री निवास)का हुआ भूमि पूजन एवं शिलान्यास। समस्त ससंघ का अष्टमी का उपवास आदिनाथ आध्यात्मिक फाउंडेशन अष्टापद बद्रीनाथ जिला चमोली उत्तराखंड अंतर्मना गुरुभक्त परिवार के द्वारा अष्टद्रव के सहित रूप से संपन्न हुई गुरुपूजन आदिनाथ आध्यात्मिक फाउंडेशन अष्टापद बद्रीनाथ जिला चमोली उत्तराखंड बर्फ से घिरे पर्वतो एवं अलकनंदा नदी के किनारे संपन्न संध्या गुरुभक्ति प्रवचन मंगल आरती आदिनाथ आध्यात्मिक फाउंडेशन अष्टा पद जिला चमोली उत्तराखंड मैं आहारचर्या में होंगी। दुनिया में तीन तरह के लोग है -एक - वे लोग जिन्हें यह नहीं मालूम है, कि वे कौन है? दूसरे - वे लोग जो स्वयं से पूछते हैं - कि वे कौन है? तीसरे - वे लोग जिन्होंने जान लिया कि वे कौन है? पहले तरह के लोग संसारी है। दूसरे सन्यासी है तथा तीसरे जीव सिद्ध परमात्मा है। जिन्दगी की मूल जिज्ञासा स्वयं को जानने की है। जिसने अपने आप को जाना है, वही महावीर बन पाये। कुछ लोग बचपन में ही जाग जाते हैं, निःसंदेह वे बड़भागी है। उनके सौभाग्य का क्या कहना। जैसे कुंदकुंद जिनसेन ऐसे ही थे। जो लोग बचपन में सोए रहते हैं, लेकिन जवानी में जाग जाते हैं, वे भी भाग्यशाली है महावीर, बुद्ध ऐसे ही सौभाग्यशालीयों में से थे, और कुछ लोग बचपन में भी सोए रहते हैं, जवानी में भी सोए रहते हैं पर बुढ़ापे में जाग जाते हैं, *वे भी भाग्यशाली है लेकिन बहुत से लोग तो सोए सोए ही पैदा होते हैं, सोए सोए जीते हैं और सोए सोए ही दुनिया से कूच कर जाते हैं, चले जाते हैं, ऐसे अभागों के विषय में क्या कहें और क्या करें ?तुम भी दुनिया से कूच करने से पहले अवश्य जाग जाना.. वरना तुम अभागों के सिरमोर कहे जाओगे...!!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल
औरंगाबाद

स्वर्गीय श्री गोपाल लाल सोगण की पुण्यतिथि पर बाल रंगमंच कार्यशाला का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। डिवाइन भारत ट्रस्ट व श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान चौमूँ के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय श्री गोपाल लाल सोगण की पुण्यतिथि के अवसर पर दो दिवसीय बाल रंगमंच कार्यशाला का आयोजन सभागार भवन, सैन कॉलोनी, झालाना डूंगरी, जयपुर में किया गया। कार्यशाला के रंगमंच प्रशिक्षक रंगमंच कलाकार गोल्ड मेडलिस्ट सुनील सोगण ने बच्चों को रंगमंच का प्रशिक्षण दिया । रंगमंच कार्यशाला में विद्यार्थियों को रंगमंच के द्वारा जीवन जीने की कला, व्यक्तित्व विकास, शारीरिक विकास, आध्यात्मिक विकास, मानसिक विकास, आत्मविश्वासपूर्ण अभिव्यक्ति, रंगमंच के द्वारा अपने विचारों को अभिव्यक्त करना आदि के बारे में बताया। कार्यशाला में स्वर्गीय गोपाल लाल सोगण के चित्र पर डिवाइन भारत ट्रस्ट के सचिव भारत शर्मा ने माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया। भारत शर्मा ने बाल रंगमंच कार्यशाला को एक सशक्त प्रयास बताया और कहां की बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए रंगमंच कार्यशाला का होना जरूरी है। समय-समय पर इस प्रकार की रंगमंच कार्यशालाएं होती रहनी चाहिए। डिवाइन भारत ट्रस्ट के कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र गुप्ता द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर रंगमंच कलाकार सुनील सोगण का सम्मान किया गया। अंत में कार्यशाला के समापन पर डिवाइन भारत ट्रस्ट एवं श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान की ओर से सभी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला के दौरान ट्रस्ट कार्यकर्ता मनीष कुमार बैरवा, सत्यम शर्मा, अमित सिंह चौहान, पिंकी चौहान व अभिभावक उपस्थित रहे।

शोक संदेश

बड़े दुःख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारी आदरणीय

श्रीमती रुक्मणि देवी

धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री मदन मोहन खूंटेटा का आकस्मिक निधन दिनांक 5 मई, 2025 को हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा हमारे निवास 29 C, जगदम्बा कॉलोनी वैशाली नगर से 6 मई को प्रातः 10 बजे पुरानी चुंगी नाका, अजमेर रोड शवदाह गृह पर जायेगी।

शोकाकुल: नरेश (पुत्र), राजेश, कमलेश, विमलेश, मुकेश, मिथलेश, मनोज, मनीष (भतीजे) अविनाश, वरुण, सौरभ, सिद्धार्थ, सक्षम (पौत्र) एवं समस्त खूंटेटा परिवार

अभिषेक, पूजापाठ, मंडल विधान के साथ जैन मंदिरों में जिनबिम्ब विराजमान किये गये

भगवान के पूजन में जैसा भाव रखेंगे वैसी ही होगी पुण्य की प्राप्ति

सनावद. शाबाश इंडिया। अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के सानिध्य में हुए एक धार्मिक कार्यक्रम में कटंगी से प्रतिष्ठित होकर आये पाँच जिन बिम्बों को आदिनाथ जिनालय, श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धार्मिक विधि विधान के साथ वेदियों पर विराजमान किया गया। श्री आदिनाथ जिनालय में अभिषेक, शांतिधारा के बाद वेदी में विराजमान कर भगवान की शोभायात्रा निकाली गई, जो कार्यक्रम स्थल पर संपन्न हुई । श्रद्धालुओं ने जगह-जगह भगवान अजितनाथ, भगवान सुमतिनाथ, भगवान सुपार्श्वनाथ, भगवान पुष्पदंत तथा सिद्ध परमेष्ठी भरत के जिन बिम्बों की आरती उतारी। उपरोक्त जानकारी देते हुए पार्श्वज्योति मंच के प्रचार मंत्री प्रियम जैन एवं धीरेन्द्र बाकलीवाल ने बताया कि प्रातः 6 बजे प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी भावेश भैया द्वारा आदिनाथ जिनालय में जिनबिम्बों का जलाभिषेक, शांतिधारा तथा अर्घ्य समर्पण के बाद जिनबिम्बों को विराजमान कर पीपल चौक, एमजी रोड, तथा आजाद मार्ग से निकली धर्मयात्रा में वेदी में विराजमान जिनबिम्बों की श्रद्धालुओं ने आरती उतारी। भीकनगाँव के बैंड ने पंकज जटाले के आध्यात्मिक भजनों के बीच - हो रही जय जयकार सनावद नगरी में, से वातावरण को धर्म मय बनाया। डॉ. नरेन्द्र जैन भारती, कमलेश भूच एवं विशाल चौधरी ने बताया कि श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सकलीकरण, नवदेवता पूजन, भगवान सुपार्श्वनाथ जी की पूजन के बाद लगभग 40 जोड़ों ने भगवान शांतिनाथ मंडल विधान की पूजन में भाग लिया। तत्पश्चात श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चार बिम्बों को अभिषेक शांतिधारा के बाद मूल नायक भगवान सुपार्श्वनाथ की अनुमति से मूल वेदी पर नवीन प्रतिमाएँ विराजमान की गई। पुण्यार्जक निलेश बाकलीवाल, हेमचंद्र पाटोदी, राजेंद्र भूच, अक्षय कासलीवाल तथा आदिनाथ जिनालय में आशीष झांझरी ने भगवान अजितनाथ के जिनबिम्ब को विराजमान किया। जिनबिम्ब स्थापना को महान पुण्य का कार्य बताते हुए अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्यसागर महाराज ने बताया कि धन, पूजन, यश, वैभव कुछ काम नहीं आता, पुण्य ही आपके काम आयेगा। जिनबिम्ब विराजमान करने वाले नियमित देवदर्शन, अभिषेक, पूजन करें। ऐसा करना सम्यक्त्व मार्ग पर चलना तथा सम्यकग्दर्शन की प्राप्ति का कारण है। अभिषेक पूजापाठ में भाव शुद्ध रखना चाहिए जैसा भाव रखेंगे वैसा प्रभाव बनेगा। मंदिरों में भगवान के दर्शन पूजन के समय भाव निर्मल होना चाहिए तभी भक्ति सार्थक है। संतोष बाकलीवाल, निलेश पाटोदी, सुनील के जैन, देवेंद्र जैन काका, हेमेंद्र जैन, सोनू जैन, बसंत पंचोलिया, प्रशांत जैन मोनू, आशीष पाटनी, नीरज जैन, अक्षय जैन, सलित जैन, नरेन्द्र पांचोलिया, मुकेश जैन गोरु जटाले, सुनील पंचोलिया, का सहयोग रहा। वात्सल्य भोज तथा भजन संध्या के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जैन धर्म के पांचवें तीर्थंकर सुमतिनाथ भगवान का मनाया तप कल्याणक महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के पांचवें तीर्थंकर सुमतिनाथ भगवान का तप कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, कार्यक्रम में कस्बे के मुनि सुव्रतनाथ जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक करने के बाद समाज की तरफ से सामूहिक शांतिधारा कर अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर विभिन्न तीर्थंकरों के अर्घ्य अर्पित किए कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कार्यक्रम में आचार्य इन्द्रनंदीमहाराज,वर्धमान सागर महाराज, आर्यिका श्रुतमति माताजी, सुबोध मति माताजी,समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर सागर महाराज,गुणसागर महाराज,एवं जिनवाणी माता के अर्घ्य अर्पित करने के बाद जैन धर्म के पांचवें तीर्थंकर देवाधिदेव सुमति नाथ भगवान तप कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ अर्घ्य अर्पित किया , कार्यक्रम में महिला मंडल की कमला कासलीवाल एवं संगीता डेठानी ने बताया कि सुमति नाथ भगवान जैन धर्म के पांचवें तीर्थंकर थे , उनका जन्म ईक्ष्वाकु वंश के राजा मेघ और रानी मंगला के घर अयोध्या में हुआ था, समाज की रेखा झंडा एवं मंजू झंडा ने बताया कि सुमतिनाथ भगवान के 100 गणधर थे उन्होंने 20 वर्ष की साधना के बाद केवल ज्ञान प्राप्त किया था जिससे वे सिद्ध एवं मुक्त आत्मा बन गए थे। कार्यक्रम में मोहनलाल झंडा ,भागचंद जैन टीबा ,कैलाश कासलीवाल,सोभाग मल सिंघल ,पारस चोधरी, प्रेमचंद कठमाना, महेंद्र गोधा , महावीर बजाज, हनुमान कलवाड़ा, महावीर मोदी, विमल कलवाड़ा,पदम टीबा, जीतू कासलीवाल, सुशील कासलीवाल, कमलेश चोधरी, अभिषेक हांडी गांव, राजाबाबू गोधा तथा,कमला कासलीवाल, शोभा झंडा,रेखा झंडा,संगीता डेठानी, मंजू झंडा, पर्युषणा झंडा, ललिता कलवाड़ा, मीनाक्षी मोदी, पिंकी मोदी, अर्चना जैन एवं सुशीला झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे।